

नक्षत्र

नक्षत्र खेल खज़ाने की खोज है जिसमें भिन्न-भिन्न जगहों पर कुछ संकेतों के माध्यम से आपको खज़ाने को पहचानना होगा। यह खेल समूह में खेला जायेगा। समूह में अधिक से अधिक 4 लोग होने चाहिए। जिस तरह जीवन में आंतरिक कुशलता, धैर्य एवं मित्रों के सहयोग से सारे कार्य पूर्ण हो जाते हैं, उसी प्रकार इस खेल में भी आपसी सामंजस्य एवं सहयोग से संकेतों के माध्यम से गंतव्य/लक्ष्य तक पहुंचना है। इस प्रतियोगिता में किसी भी महाविद्यालय के छात्र-छात्राये भाग ले सकते हैं। भाग लेने के लिए आपको पंजीकरण करना अनिवार्य है, जिसके लिए आपको पंजीकरण लिंक दिया जायेगा।

प्रथम चरण :

पेहले चरण में प्रतिभागियों को सारी पहेलियाँ एक साथ दे दी जाएगी, सारी पहेली एक एक जगह की ओर संकेत कर रही होंगी, जहां पर प्रतिभागियों को बड़े सुराग का एक अंश मिलेगा, जो प्रतिभागी सारे अंश इकट्ठा करके उस पहेली को सुलझा पायेगा वही अगले चरण में पहुंचेगा।

दूसरा चरण:

दूसरे चरण में बचे हुए प्रतिभागियों को एक एक पहेली दी जाएगी जो कि एक जगह की ओर संकेत कर रही होगी, उस जगह पर दूसरी पहेली और उसके साथ अंतिम पहेली का एक भाग होगा, ऐसे ही हर पहेली को सुलझाते सुलझाते प्रतिभागी अंतिम पहेली पर पहुंचेगा जो उसे सब भाग जोड़ कर सुलझानी होगी और वही उसे खज़ाने का सुराग मिलेगा जो कि खज़ाने की ओर संकेत करेगा।

नियम:

- 1) प्रतियोगिता दो चरण में होगी।
- 2) पहली पहेली प्रतिभागियों को कार्यकर्ताओं द्वारा दी जावेगी।

- 3) हर पहेली को सुलझाने पर प्रतिभागियों का समूह दूसरी पहेली तक पहुंचेगा अर्थात बढ़ती पहेलियों के साथ समूह भी कम होते जायेंगे।
- 4) अंततः सारी पहेलियाँ सुलझाने वाला समूह विजेता रहेगा।
- 5) समूह में अधिक से अधिक 4 लोग हो सकते हैं।
- 6) एक भी पहेली छोड़कर प्रतियोगिता में आगे बढ़ने वाले समूह को प्रतियोगिता से निष्कासित कर दिया जायेगा।
- 7) किसी भी समूह को गलत माध्यम से आगे बढ़ता पाए जाने पर उसे प्रतियोगिता से निष्कासित कर दिया जायेगा।
- 8) कोई भी समस्या आने पर या किसी भी नियम का उलंघन होने पर आयोजक द्वारा लिया गया निर्णय आखरी होगा।

अल्पना

" रंगोली का चित्रो से मेल और उनकी कल्पना,
रंगोली की कला का आयोजन है अल्पना"

अल्पना रंगोली प्रतियोगिता है जिसमे प्रतिभागी को अपनी रंगोली की कला का प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय के विभिन्न हिस्सो मे रंगोली बनानी पड़ेगी।

विषय :-

- 1) प्रौद्योगिकी
- 2) हरा भोपाल

नियम :-

- 1) रंगोली कला ३×३फीट की होनी चाहिए।
- 2) प्रतियोगिता का एक ही दौर होगा।
- 3) रंगोली को पूरा करने का अधिकतम समय २ घण्टे है।
- 4) रंगोली तैयार करने के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था के लिए समूह जिम्मेदार होगा।
- 5) रंगोली बनाने के लिए केवल रंगों का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- 6) रंगोली की तैयारी के लिए प्रतिभागियों को किसी भी मुद्रित सामग्री आदि का संदर्भ नहीं दिया जाएगा।
- 7) एक समूह में दो से अधिक प्रतिभागी नहीं हो सकते।
- 8) एक व्यक्ति द्वारा एकाधिक प्रविष्टियां की अनुमति नहीं है।
- 9) नियमों का उलंघन करने पर पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा।

अंकन योजना:-

१. कुल मिलाकर उपस्थिति और अपील
२. रंगोली कला में विवरण
३. रंग संयोजन
४. रचनात्मकता

नृत्य

नृत्य मानवीय अभिव्यक्तियों का एक रसमय प्रदर्शन है। यह एक सार्वभौम कला है, जिसका जन्म मानव जीवन के साथ हुआ है। बालक जन्म लेते ही रोकर अपने हाथ पैर मार कर अपनी भावाभिव्यक्ति करता है कि वह भूखा है- इन्हीं आंगिक - क्रियाओं से नृत्य की उत्पत्ति हुई है। यह कला देवी-देवताओं- दैत्य दानवों- मनुष्यों एवं पशु-पक्षियों को अति प्रिय है।

उद्देश्य

भारत की संस्कृति को बढ़ावा देना।

चरण

ये प्रतियोगिता एक ही चरण में सफल होगी।

चयन का आधार

भावभंगिमा

वेशभूषा

नृत्य पद

तालमेल

नवीनता

“एकल और युगल नृत्य को एक श्रेणी और समूह नृत्य को दूसरी श्रेणी के रूप में आंका जाएगा “

एकल/युगल नृत्य के नियम :-

- 1) नृत्य करने की समय सीमा 2- 3 मिनट है ।
- 2) नृत्य शैली भारतीय संस्कृति से संबंधित होनी चाहिए ।
- 3) नृत्य की पोशाक और गीत भारतीय संस्कृति से संबंधित होना चाहिए।
- 4) प्रतिभागी अपनी पोशाक और गीत के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं ।
- 5) आयोजन शुरू होने से पहले प्रतिभागी अपना गीत जमा कर दें ।
- 6) किसी भी प्रकार की अभद्रता अमान्य होगी एवं उस पर आखरी निर्णय मुख्य समन्वयक का होगा

समूह नृत्य के नियम

- 1) प्रत्येक समूह में तीन से दस लोग होने चाहिए ।
- 2) प्रस्तुति की समय सीमा ४ से ६ मिनट की होनी चाहिए ।
- 3) नृत्य की पोशाक और गीत भारतीय संस्कृति से संबंधित होना चाहिए।
- 4) प्रतिभागी अपनी पोशाक और गीत के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं ।
- 5) आयोजन शुरू होने से पहले प्रतिभागी अपना गीत जमा कर दें ।
- 6) किसी भी प्रकार की अभद्रता अमान्य होगी एवं उस पर आखिरी निर्णय मुख्य समन्वयक का होगा ।

तात्कालिक भाषण

त्वरिक विचारों की पेशकश बिना गवाए एक क्षण
इसी खेल को हम कहते हैं तात्कालिक भाषण।

अपने विचारों और तथ्यों का धारा प्रवाह रूप से विवरण करने वाली विधा को तात्कालिक भाषण कहा जाता है। तुरंत दिए गए विषय पर कुछ क्षण सोचना और उस विषय की गंभीरता तक पहुंचाना अर्थात - आशुभाषण, वाक्चातुर्य या तर्कयुद्ध। किसी भी महाविद्यालय के विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मान्य होंगे।

अपने विचारों और तथ्यों का धारा प्रवाह रूप से विवरण करने वाली विधा को तात्कालिक भाषण कहा जाता है। तुरंत दिए गए विषय पर कुछ क्षण सोचना और उस विषय की गंभीरता तक पहुंचना, साथ ही साथ दर्शकों के मन में उस सकारात्मक विचारधारा को पहुंचा पाने की क्षमता ही प्रतियोगिता में प्रतिभागी की योग्यता का विवरण करेगी। किसी भी महाविद्यालय के विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मान्य होंगे।

प्रथम चरण

इस चरण में प्रतिभागियों को पर्चियों के माध्यम से विषय प्रदान किए जाएंगे और

उन्हें उस विषय पर २ मिनट बोलना होगा।

यदि कोई प्रतिभागी दिए गए विषय पर भाषण देने में असमर्थता व्यक्त करता है तो उसे नया विषय तो दे दिया जाएगा परंतु कुल स्कोर से उसके ३ अंक घट जाएंगे।

द्वितीय चरण

इस चरण में प्रतिभागी को एक चित्र अस्त- व्यस्त स्थिति में दिया जाएगा और प्रतिभागी को उसे व्यवस्थित रूप देकर उस चित्र से तर्कयुक्त बातें ज्ञात कर अपने विचारों को व्यक्त करना होगा।

नियमावली -

1. प्रथम चरण में प्रत्येक प्रतिभागी को तर्क वितर्क करने के लिए केवल २ मिनट का ही समय दिया जाएगा।
2. दूसरे चरण में किसी भी स्थिति में चित्र को बदलने का प्रावधान नहीं है।
3. दूसरे चरण में चित्र अंशों को जमाने के लिए २ मिनट, चित्र पर विचार करने के लिए २ मिनट एवं अपना भाषण देने के लिए ढाई मिनट का समय प्रदान किया जाएगा।
4. यदि कोई प्रतिभागी प्रस्तावित सीमा से अधिक समय लेता है तो उसके लिए नकारात्मक अंको का प्रावधान है।
5. किसी भी तरह की अभद्रता या अश्लीलता भरे शब्दों का प्रयोग करने पर प्रतिभागी को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा।
6. किसी भी तरह की अभद्रता अमान्य होगी एवं मुख्य समन्वयक का निर्णय ही अंतिम होगा।
7. प्रथम चरण में विषय बदलने की सुविधा सिर्फ एक बार दी जाएगी और इस लाइफलाइन को अंकित करने लिए प्रतिभागी को उचित तर्क देना होगा।

8. निर्णयमानदण्ड प्रतियोगिता से पूर्व बता दिया जाएगा।

परिधानिका

भारत देश विभिन्न संस्कृतियों से परिपूर्ण एवं सौंदर्य समृद्ध देश है। यहां प्रचलित विभिन्न संस्कृतियां ही हमारी पहचान है। इन सब संस्कृतियों एवं उनके सौंदर्य के सामंजस्य को प्रदर्शित करना ही परिधानिका का मुख्य उद्देश्य है।

नियमावली :

प्रथम चरण (ऑनलाइन पंजीकरण) :

ऑनलाइन पंजीकरण हेतु प्रत्येक प्रतिभागी को शंखनाद के वेब पोर्टल पर जाकर पंजीयन करना होगा।

द्वितीय चरण

1. प्रतियोगिता की शैली जो कि “भारतीय संस्कृति” है, उसी के अनुसार ही प्रतिभागियों को भारतीय सांस्कृतिक परिधानों का चयन करना होगा।
2. प्रतिभागियों को अपने परिधानों के विषय में जानकारी होनी चाहिए। आप के परिधानों से संबंधित प्रश्नावली की जा सकती है।
3. प्रतिभागी निम्न दो श्रेणियों में हिस्सा ले सकते हैं :
 1. एकल प्रतिभागी :
ऐसे प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वह अपना दो-तीन मिनट का ध्वनि पथ प्रतियोगिता के 1 घंटे पूर्व पेन ड्राइव में लाकर परिधानिका डेस्क पर जमा करें एवं टोकन प्राप्त करें।
 2. समूह में हिस्सा लेने के लिए :
 - समूह सीमा : 4 से 6 प्रतिभागी।

- समूह के अध्यक्ष से अनुरोध है कि वह प्रतियोगिता के 1 घंटे पूर्व संपूर्ण समूह का 10 से 12 मिनट का एक ध्वनि पथ पेन ड्राइव में लाकर परिधानिका डेस्क पर जमा करें एवं टोकन प्राप्त करें।
- 4. सभी प्रतिभागियों को परिधानिका की पंजीकरण डेस्क पर 1 घंटे पहले अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।
- 5. अगर कोई प्रतिभागी परिधानों एवं शैली का उल्लंघन करेगा तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।
- 6. किसी भी प्रकार की अभद्रता अमान्य होगी एवं उस पर आखिरी निर्णय मुख्य समन्वयक का होगा।
- 7. अगर कोई प्रतिभागी समय पर उपस्थित नहीं है तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।
- 8. समय सीमा 2-3 मिनट रहेगी।
- 9. प्रतिभागी अपना ध्वनि पथ पेन ड्राइव में ला सकते हैं।

रागिनी

"स्वरों की रंगोलियां सजाने वाली प्रतिभा है ये अतुल्य,
श्रोताओं को सम्मोहित करने वाली विधा है ये अमूल्य!"

भारतीय संस्कृति में संगीत को एक श्रेष्ठ उपाधि दी गयी है। अन्य देशों की तरह इस विधा को भारत को केवल मनोरंजन की दृष्टि से नहीं देखा जाता है, अपितु इसकी आराधना की जाती है। गायन व वादन की विधा में पारंगत व्यक्ति को

विशेषतः सम्मान दिया जाता है।

शंखनाद का यह कार्यक्रम 'रागिनी' उन सभी संगीत के साधकों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहाँ वे अपनी कला को सिद्ध कर सकें, व अपने स्वरों से रसिकों को प्रभावित कर सकें, चाहे वह स्वर कंठ से उत्पन्न हो या वाद्यों से।

इस प्रतियोगिता में गायन व वादन दोनों विधाओं के प्रतियोगियों को परखा जाएगा। निम्नलिखित नियमों को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया जा सकता है:

नियमावली

- 1) प्रस्तुति में लोक गीत, शास्त्रीय संगीत व सुगम संगीत तीनों प्रकार मान्य हैं।
- 2) एकल गायन अथवा समूह गायन दोनों प्रस्तुतियां मान्य हैं।
- 3) प्रदर्शन की अवधि 3.5 मिनटों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- 4) आपको 4 माइक व 3 माइकेस्टैंड प्रदान किये जायेंगे।
- 5) समय सीमा के उल्लंघन किये जाने पर अंक काट लिए जाएंगे।
- 6) वाद्य यंत्रों की व्यवस्था करने हेतु 2 मिनट का समय प्रदान किया जाएगा।
- 7) प्रतिभागी अपना वाद्य यंत्र स्वयं लाएं।
- 8) यदि पृष्ठभूमि में karaoke track बजाने की आवश्यकता हो तो संचालन समिति को कार्यक्रम के पूर्व ही pendrive में जमा कर दें।
- 9) प्रतिभागी अपने सामान की रक्षा स्वयं करें।

निर्णयमानदण्ड:

- 1) तालमेल (सिंक्रोनाइजेशन) के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- 2) प्रदर्शन की विशिष्टता पर भी विजय निर्भर करेगी।

3) अनुशासन को भी ध्यान में रखा जावेगा।

अयोग्यता संगठनों के पूर्ण विवेकाधिकार पर है और इस विषय में लिए गए निर्णय भी।

******किसी भी प्रकार की अभद्रता अमान्य होगी तथा अंतिम निर्णय मुख्य समन्वयक का होगा।

संसदीय वाद विवाद

चलो छोड़े बातों की जंग ,आओ करे संवाद

नयी और अनोखी सोच से गूँज उठेगा वाद विवाद।

हिंदी के इस महोत्सव के माध्यम से मातृभाषा को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से एवं छात्रों में तार्किक एवं व्यक्तित्व क्षमता के विकास के लिए इस वर्ष 'संसदीय वाद विवाद' का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान एवं कठिन समय में निर्णय लेने के सामर्थ्य का विकास करना है। यह प्रतियोगिता दो चरणों में संपन्न होगी। किसी भी महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं।

नियमावली:

प्रथम चरण

सामूहिक चर्चा होगी जिसमें 6 प्रतिभागियों का समूह बनाकर किसी एक चयनित विषय पर विचार प्रस्तुत करना होगा।

परिचर्चा के लिए एक समूह को 10 मिनट दिए जाएंगे।

द्वितीय चरण

संसदीय वाद विवाद होगा।

नियम

- 1) समूह का निर्माण प्रतियोगिता के वक्त ही किया जायेगा।
- 2) यदि कोई भी प्रतिभागी प्रस्तावित समय से ज़्यादा बोलता है तो उसके लिए नाकारात्मक अंकों का प्रावधान है।
- 3) प्रतिभागियों को अंक तर्कयुक्त बिंदु पर ही दिए जाएंगे।
- 4) जो भी विषय प्रतिभागियों को दिया गया है उसमें किसी भी प्रकार के बदलाव नहीं किये जायेंगे।
- 5) किसी भी प्रकार की अभद्रता अमान्य होगी एवं उस पर आखिरी निर्णय मुख्य समन्वयक का होगा।

भारत मंथन

भारत मंथन एक प्रश्नमंच प्रतियोगिता है। इस प्रश्नमंच प्रतियोगिता में भारत से जुड़े गौरवपूर्ण इतिहास, भूगोल, राजनीति, विज्ञान, अर्थशास्त्र, व्यापार जगत, चिकित्सा, भारतीय संस्कृति, सिनेमा जगत सम्बंधित सवाल पूछे जाएंगे।

इस प्रश्नमंच को करवाने के पीछे हमारी मंशा लोगों को भारत की संस्कृति से जोड़ना है।

इस प्रश्नमंच प्रतियोगिता में 2 चरण होंगे।

प्रथम चरण

इसमें प्रतिभागी दो-दो के समूह में एक लिखित परीक्षा में हिस्सा लेंगे। पहले चरण से 10 टीमों को दूसरे चरण के लिए चुना जाएगा।

दूसरा चरण

इसमें प्रतिभागियों से चित्र, चलचित्र के माध्यम से और कुछ मौखिक सवाल किए जाएंगे और उसी अनुसार उन्हें अंक दिए जाएंगे।

अंत में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

नियम

- 1) प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अगर कुछ अवैध साधन का प्रयोग करता हुआ पाया गया तो उस टीम को तुरंत प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाएगा।
- 2) किसी भी प्रकार की अभद्रता अमान्य होगी एवं उस स्थिति में आखरी निर्णय मुख्य समन्वयक का होगा।
- 3) प्रतियोगिता के बाकी नियम प्रतियोगिता के समय प्रतिभागियों को बताए जाएंगे।

समय

पूरे कार्यक्रम के लिए करीब 2 से 2.5 घंटे लग सकते हैं।

नुक्कड़ नाटक

"नुक्कड़ नाटक लेके आयी मस्तानो की टोली

अंदर की छिपी बात इनने सबके सामने खोली"

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को समाज के ज्वलंत मुद्दों के प्रति न केवल जागरूक बनाना बल्कि उनको इन समस्याओं के प्रति कर्मठ, जवाबदेह व कर्तव्यपरायण बनाना है। नुक्कड़ नाटक एक सामाजिक संदेश पे आधारित होना आवश्यक है।

प्रथम चरण

प्रतियोगिता का प्रथम चरण ऑनलाइन चरण होगा जिसके अंतर्गत नुक्कड़ समूहों से उनके द्वारा ही निर्मित व अभिनीत नुक्कड़ का पांच मिनट का चलचित्र आवेदन के रूप में माँगा जायेगा।

उसके आधार पर शीश 10 समूहों का चयन अंतिम चरण के लिए किया जायेगा।

चयनित समूहों द्वारा अंतिम चरण में अपने नुक्कड़ की प्रस्तुति होगी। अंतिम चरण राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित किया जायेगा।

नियम एवं विनयम:-

1. वादकों को छोड़कर नाटक मंडली की अधिकतम सदस्य संख्या 20 एवं न्यूनतम 8 होगी।

2. अधिकतम समय सीमा 20 मिनट रहेगी, समय सीमा के उल्लंघन पर उचित कार्यवाही निर्णय समिति द्वारा की जायेगी।
3. किसी भी प्रकार के आधुनिक वाद्ययंत्र , आग , जल वस्तुओं का प्रयोग निषेध है।
- 4 निर्णय मानदंड
 - 30%= विषय सूची
 - 25%= अभिनय
 - 20%= दर्शक प्रतिक्रिया
 - *15%= निर्देशन
 - *10%= विविध प्रभाव
5. किसी भी प्रकार के नियम उलंघन व असभ्यता होने पर उचित कार्यवाही की जायेगी।
6. शंखनाद समिति के द्वारा लिया गया निर्णय ही बाध्यकारी एवं अंतिम होगा ।

सांस्कृतिक विवरण

प्रस्तावना

शंखनाद राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक महोत्सव है।
इसका उद्देश्य हिंदी भाषा का प्रचार करना है।

इसी लक्ष्य से हम हमारे प्रांगण में आत्मविश्वास से भरपूर महानुभाव को
विद्यार्थियों का आत्म विश्वास बढ़ाने एवं उनमें हिंदी के प्रति रूचि का विकास
करने हेतु एक सांस्कृतिक सभा का आयोजन किया गया है।

इसके अंतर्गत वक्ता छात्र छात्राओं को हिंदी का इतिहास और उससे जुड़े रोचक
तथ्यों के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

प्रारूप

व्यक्त महोदय आमंत्रित किए जाएंगे।

यह कार्यक्रम 45 से 50 मिनट तक चलेगा

नव युवा कवि सम्मेलन

“मानव होना भाग्य है, कवि होना सौभाग्य है”

समाज में एक नयी चेतना जागृत करने के लिए आमजन को वास्तविक परिस्थितियों से अवगत कराने के लिए, समाज से मानवीय गुणों को प्रतिष्ठित करने के लिए और हिन्दी को सुदृढ़ करने के लिए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में “नव युवा कवि सम्मेलन” प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा ।

नई प्रतिभा को मंच प्रदान करने हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य उभरते कवियों को अपनी कविताओं के प्रस्तुतीकरण, आत्म संतोष पाने विश्वास तथा उत्साह अर्जन के साथ ही अन्य कवियों की रचनाओं, प्रशंसा और तुलना से अपनी कविता में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहन एवम् अवसर प्रदान करना रहेगा ।

प्रथम चरण:

प्रथम चरण में हर प्रतिभागी को अपनी सर्वश्रेष्ठ कविता ऑनलाइन भेजनी होगी । तत्पश्चात् निर्णायक समिति द्वारा चयनित कवियों को द्वितीय चरण के लिए आमंत्रित किया जाएगा ।

द्वितीय चरण:

द्वितीय चरण में सभी चयनित कवियों को काव्यपाठ का अवसर प्रदान किया जाएगा तत्पश्चात् शीर्ष दो कवि दो निर्णायक मण्डली द्वारा चुने जाएंगे । जिन्हें पुरूस्कृत किया जाएगा एवम् प्रदेश के प्रख्यात कवियों के साथ अपनी प्रस्तुती देने का अवसर प्रदान किया जाएगा ।

अंतिम चरण:

अंतिम चरण के कवियों द्वारा संस्थान के कांफ्रेंस हॉल में कविता पाठ किया जाएगा । प्रत्येक कवि को प्रोत्साहन स्वरूप एक प्रशस्ति-पत्र एवम् निश्चित सम्मान स्मृतिचिन्ह प्रदान किए जाएंगे ।

शिरदोळे
१९